



इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप

मेगा इकानोमिक कॉरिडोर

हाल ही में जी-20 की बैठक के दौरान भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकानोमिक कॉरिडोर बनाने पर सहमति बनी है।

इस प्रोजेक्ट को चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

यह प्रोजेक्ट शेल और रिपिंग कॉरिडोर ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट (PGII) के लिए साझेदारी का हिस्सा है।

इस प्रोजेक्ट में विकासशील देशों में बुनियादी ढांचा को मजबूत करने का है। इस परियोजना में जी-7 देश एक साथ मिलकर एक सहयोगात्मक प्रयास करेंगे।



कौटिल्य एकेडमी

www.kautilyaacademy.com IAS-IPS-MPPSC-CJ-II

अरब की खाड़ी से यूरोप तक

पीरियस

हेफ्पा

इस कॉरिडोर में भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, यूरोपीय संघ, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका शामिल हैं।

इस कॉरिडोर को यूरोप, मिडिल ईस्ट और एशिया के बीच टेलवे और समुद्र के जटिए जोड़ा जाएगा।

इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का अहम उद्देश्य कमर्शियल हब को जोड़ना, स्पष्ट ऊर्जा के विकास और नियाति का समर्थन करना और समुद्र के नीचे केबल बिछाना, ऊर्जा ग्रिड और दूरसंचार लाइनों का विस्तार करना है।

इकानोमिक कॉरिडोर में रिपिंग और टेलवे लिंक शामिल होंगे, जिससे भारत और यूरोप के बीच व्यापार 40% तेज हो जाएगा।

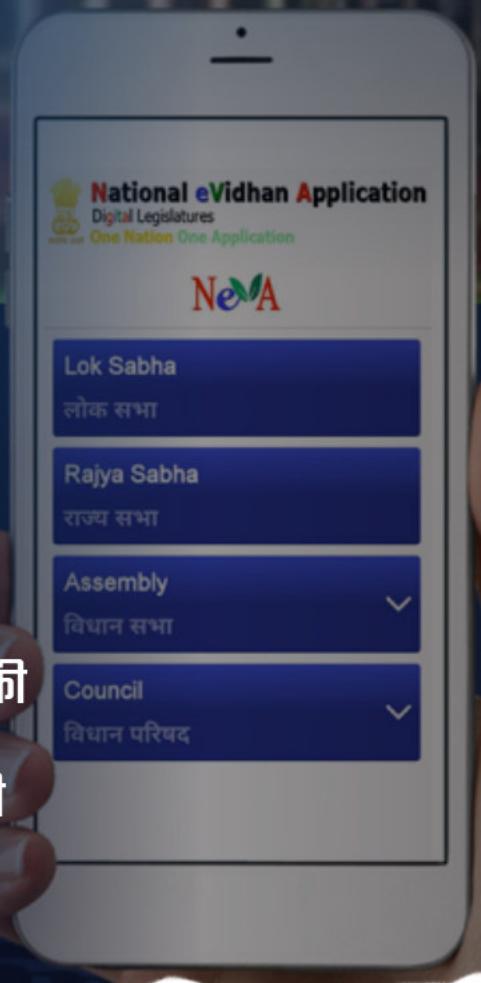
इसका उद्देश्य व्यापार को बढ़ावा देना, ऊर्जा संसाधनों का परिवहन और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार करना है।



दाष्टीय (नेपा)

ई-विधान एप्लिकेशन

- दाष्टपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 'दाष्टीय ई-विधान एप्लिकेशन' (नेपा) का उद्घाटन किया।
- दाष्टीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेपा) के माध्यम से इस सदन के सदस्य संसद और देश की अन्य विधानसभाओं के उक्तृष्ट व्यवहारों से सीख सकते हैं और उन्हें अपना सकते हैं।
- उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि "एक दाष्ट एक एप्लीकेशन" के लक्ष्य से प्रेरित यह पहल विधानसभा के कामकाज को और गति देरी तथा उसमें पारदर्शिता लाएगी।
- इस कार्यशाला का उद्देश्य सभी दाज्य/केंद्र-शासित प्रदेशों के विधानमंडलों को NeVA प्लेटफॉर्म की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना और प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से सदन की कार्यवाही के संचालन में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही को शामिल करना है।



By

Smt. DROUPADI MURMU

Hon'ble President of Bharat

13th September, 2023



- રાષ્ટ્રીય ઈ-વિધાન એપ્લીકેશન (NeVA) ભાદ્યત સાટકાર કે ડિજિટલ ઇંડિયા કાર્યક્રમ કે તહુત 44 મિશન મોડ પદ્ધિયોજનાર્થી મેં સે એક હૈ।

- NeVA, સદન કે અધ્યક્ષ કો સદન કી કાર્યગાહી કો સુધારું રાપ સે સંચાલિત કરણે ઔદ સદન કે વિધાયી કાર્ય કો કાગજ દર્હિત સંચાલિત કરણે મેં મદદ કરતી હૈ।

- NeVA મેં એક વેબસાઇટ ઔદ એક મોબાઇલ એપ શામિલ હૈ।

- રાજ્યો ઔદ કેંદ્રશાલિત પ્રદર્થો મેં NeVA કે કાર્યાન્વયન કે લિયે સંસ્કૃતીય કાર્ય મંત્રાલય, 'નોડલ મંત્રાલય' હૈ।



केदल में निपाह वायरस

- बाल ही में केदल के कोङ्ग्रिकोड जिले में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे को भेजे गये नमूनों में तीन लोगों में निपाह वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है।
- पिछले महीने 30 तारीख को जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई थी, वह भी इस वायरस से संक्रमित था।
- सेंट्रल फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार इस वायरस के बारे में सबसे पहले 1998 में मलेशीया के कर्मचार सुंगार्ड निपाह से पता चला था जहां से इसका नाम निपाह वायरस पड़ा।
- उस वक्त कुछ सुअर के किसानों को मस्तिष्क में बुखार हुआ था इसलिए इस गंभीर बीमारी के वाहक सुअर थे. सिंगापुर में भी इसके बारे में 1999 में पता चला था।

निपाह वायरस को World Organisation for Animal Health (OIE) Terrestrial Animal Health Code में सूचीबद्ध किया गया है

सबसे पहले सुअर, चमगादड़ या अन्य जीवों को प्रभावित करता है और इसके संपर्क में आने से मनुष्यों को भी चपेट में ले लेता है।

साल 2004 में बांग्लादेश और 2001 में भारत के कुछ लोग सबसे पहले इस वायरस की चपेट में आए थे।

वायरस Paramyxoviridae family का सदस्य है जो कि जानवर से फलों में और फलों के जादिए व्यक्तियों में फैलता है और साथ ही ये हँड्रा वायरस से भी संबंधित है।

CDC के मुताबिक निपाह वायरस का इंफ्रेक्चर इंसेफलाइटिस से जुड़ा है, जिसमें दिमाग़ को नुकसान होता है।